1

भोलू भुलक्कड़

(केवल पढ़ने के लिए)

एक था भोलू भुलक्कड़। बच्चे जब भी उसे देखते, गाने लगते–

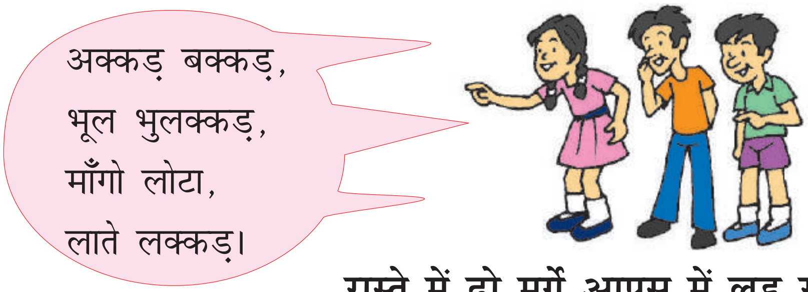

एक दिन की बात है।

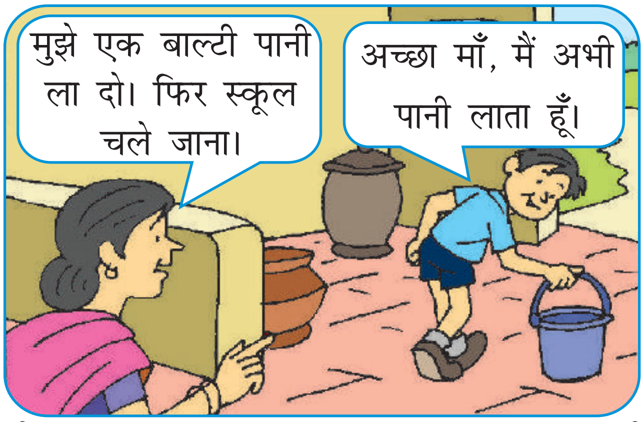

रास्ते में दो मुर्गे आपस में लड़ रहे थे।

भोलू पानी की बात भूल गया। वह तमाशा देखने लगा।
तभी स्कूल का घंटा बजा–टन, टन, टन!

भोलू बाल्टी को बस्ता समझ स्कूल की ओर भागा।

भोलू को देख सब बच्चे हँसने लगे। वे एक साथ बोले-भोलू भुलक्कड़, खा गए क्यों चक्कर!

एक बार माँ ने भोलू को एक काम करने के लिए कहा।

भोलू मुँडेर पर चढ़ा तो उसने देखा।

भोलू भी चिड़िया की तरह अपनी बाँहों को पंख की तरह हिलाने लगा। वह धम्म से ज़मीन पर गिर गया।

भोलू ने वैसा ही किया। माँ ने उसे चाची के घर से पालक लाने भेजा। भोलू ने तुरंत अपनी कमीज़ में गाँठ लगाई। भोलू गाँठ पर हाथ रखे जल्दी-जल्दी चल दिया।

भोलू आम तोड़ने लगा।

तभी उसका हाथ कमीज़ की गाँठ पर जा पड़ा।

शिक्षण-संकेत—चित्रकथा के प्रत्येक चित्र पर ध्यान दिलाते हुए बातचीत कीजिए, जैसे—भोलू को सब क्या कहकर चिढ़ाते थे? क्या तुम्हें भी कोई कुछ कहकर चिढ़ाता है? भोलू की माँ ने भोलू से क्या मँगवाया? क्या घर में तुमसे भी कोई कुछ सामान मँगवाता है?

ज़मीन के नीचे और ज़मीन के ऊपर उगने वाली सब्ज़ियों के बारे में बातचीत कीजिए। साथ ही उनकी पसंद की सब्ज़ियों, फलों पर भी चर्चा कीजिए।

2 चतुर कौवा

बड़ी प्यास से मारा-मारा,
भटक रहा कौवा बेचारा।
गाँव-गाँव में नगर-नगर में,
पानी ढूँढ न पाया हारा।

सहसा एक घड़ा जो देखा,
पर पानी था थोड़ा उसमें।
कंकड़-कंकड़ चुनकर कौवा,
लगा फेंकने बीच घड़े में।

घड़े की गरदन तक जब पानी,
पहुँचा तब **निज** प्यास बुझाई।
अक्ल और मेहनत के बल पर,
किसने नहीं सफलता पाई।

—शशिपाल शर्मा
(बाल मित्र)

शब्दार्थः निज–अपना

अभ्यास

कविता में से

1. कौवा क्यों भटक रहा था?
2. कौवे ने पानी को कहाँ-कहाँ ढूँढा?
3. कौवे ने पानी को ऊपर लाने के लिए क्या किया?
4. कौवे को सफलता कैसे मिली?

बातचीत के लिए

1. किन-किन कामों के लिए पानी की ज़रूरत होती है?
2. पानी को बचाने के लिए आप क्या-क्या करते हैं?
3. जब आपको प्यास लगती है तो आप क्या-क्या पीकर अपनी प्यास बुझाते हैं?

आपकी कल्पना

1. अगर कौवे को आस-पास एक स्ट्रॉ या पाइप मिल जाता तो वह क्या करता? चर्चा कीजिए।
2. अगर आप कौवे की जगह होते तो क्या करते?

भाषा की बात

1. कविता में से जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

नगर-नगर ....

2. अगर कविता में कौवे की जगह 'चिड़िया' होती तो कविता की पंक्तियों में क्या बदलाव आता?

बड़ी प्यास से ....

भटक ....

गाँव-गाँव में नगर-नगर में

....